पेपर लीक गैंग के हर्षवर्धन मीणा को पटवारी के पद से हटाया

दौसा कलेक्टर ने किया बर्खास्त, नेपाल बॉर्डर से गिरफ्तार किया गया था

जयपुर। पेपर लीक गैंग के हर्षवर्धन मीणा को 21 मार्च को जिला कलेक्टर दौसा ने सेवा से बर्खास्त कर दिया है। मामले में एसओजी की एसआईटी ने आरोपी को नेपाल बॉर्डर से गिरफ्तार किया था। इसके बाद हर्षवर्धन मीणा जेल में है। एसओजी जेल से रिमांड पर लेकर कई बार पूछताछ कर चुकी है। आरोपी के खिलाफ 6 से अधिक एफआईआर दर्ज है।

एडीजी एसओजी वीके सिंह ने बताया कि पेपर लीक मामलों में राज्य सरकार की जीरो टॉलरेंस नीति दिखाई दे रही है। पेपर लीक मामलों में पुलिस और प्रशासन द्वारा लगातार हो रहे एक्शन से बदमाशों का मनोबल हमेशा के लिए टूटेगा। सरकार पेपर लीक मामलों में लिप्त राज्यकर्मियों को बर्खास्त कर के एक संदेश दे रही है। इससे आने वाले समय में कोई भी व्यक्ति इस तरह के अपराध नहीं करेगा। गैंग के सरगना पर विशेष नजर रख कर हर केस का फीड बैंक सरकार तक पहुंचाया जा रहा है। इसका ही परिणाम है कि पटवारी भर्ती मामले में दौसा के सरगना पटवारी हर्षवर्धन मीणा को डीएस दौसा देवेन्द्र कुमार ने सेवा से बर्खास्त कर दिया है। जेईएन

- **एसओजी आरोपी को जेल से रिमांड पर लेकर कई बार पूछताछ कर चुकी है। उसके खिलाफ छह से अधिक एफआईआर दर्ज हैं**

भर्ती परीक्षा 2020 में गिरफ्तारी से पहले महवा में पटवारी के पद पर कार्यरत हर्षवर्धन मीणा पर लगे तीन आरोपों की जांच पूरी होने के बाद आरोप प्रमाणित पाए जाने पर दौसा कलेक्टर देवेंद्र कुमार द्वारा शुक्रवार को राज्य सेवा से बर्खास्त किया गया है।

हर्षवर्धन पर पहला आरोप 2 जनवरी, 2024 से अनुपस्थित चलना, दूसरा राजस्थान सरकार द्वारा आयोजित विभिन्न परीक्षाओं के पेपर लीक होने से सम्बन्धित प्रकरण में संलिप्त होने पर एसओजी 18 फरवरी 2024 को नेपाल बोर्डर से भारत की सीमा में आते हुए एक साथी के साथ भारत-नेपाल सीमा पर स्थित शहर सोनोली (उत्तरप्रदेश) से गिरफ्तार किया जाना और तीसरा आरोप स्वयं तथा परिजनों के नाम से विभिन्न प्रकार की चल व अचल सम्पत्ति बिना सक्षम अधिकारी की पूर्वानुमति के अर्जित किया जाना है, जिसका वार्षिक कार्य मूल्यांकन प्रतिवेदन में उल्लेख नहीं किया गया था।

पेपर लीक गिरोह के सरगना हर्षवर्धन मीणा की पत्नी सरिता मीणा भी भीलवाड़ा में पटवारी के पद पर कार्यरत थी। जिसने उप निरीक्षक भर्ती परीक्षा 2021 में स्वयं की जगह डमी अभ्यर्थी बैठा लिखित परीक्षा पास की थी, जिसमें फरार चल रही है। सरिता पर लगे तीन आरोपों की जांच पूर्ण होने के बाद आरोप प्रमाणित पाए जाने पर तत्कालीन भीलवाड़ा कलेक्टर नमित मेहता द्वारा 24 दिसम्बर 2024 को राज्य सेवा से बर्खास्त किया गया था।

निलंबित पटवारी सरिता मीणा पर पहला आरोप 15 जनवरी 2024 से बिना अनुमति एवं सक्षम स्वीकृति के मोबाइल स्विच ऑफ कर कार्य स्थल से अनुपस्थित रहना, दूसरा आरोप कार्यस्थल पटवार हल्का बारणी का राजस्व रेकार्ड किसी अन्य पटवारी को नहीं देकर गुलाबपुरा स्थित निजी आवास में रखना, जिससे राजस्व रेकार्ड खुर्द-बुर्द होने की संभावना थी। तीसरा आरोप आरपीएससी द्वारा आयोजित उप निरीक्षक पुलिस एवं प्लाटून कमांडर भर्ती परीक्षा- 2021 में अपने स्थान पर किसी अन्य को बैठाकर लिखित परीक्षा पास किया जाना है।

सिंह ने बताया कि पेपर लीक मामलों की जांच के लिए मुख्यमंत्री द्वारा गठित एसआईटी के बाद से लेकर आज तक 45 (प्रशिक्षु उप निरीक्षक-2021) सहित भर्ती सम्बन्धी अन्य परीक्षाओं में संलिप्तता पाए जाने पर कुल 86 लोक सेवकों को बर्खास्त किया जा चुका है। जिसमें प्रमुख रूप से अमृत मीणा (पूर्व कॉलेज व्याख्याता), आरएएस भर्ती, 2013 का पेपर लीक का सूत्रधार, सरनाऊ (सांचौर) के प्रधान का पुत्र ओमप्रकाश ढाका (अध्यापक), पेपर लीक माफिया जगदीश विश्नोई का भाई भीखाराम (अध्यापक) शामिल हैं। पेपर लीक मामलों में की जा रही कार्रवाई की लगातार मॉनिटरिंग की जा रही है। इसके तहत शेष 189 लोकसेवकों के विरुद्ध विभागीय जांच प्रक्रियाधीन है।

अर्थ ऑवर पर मुख्यमंत्री निवास पर एक घंटा बिजली बंद रही

जयपुर। अर्थ ऑवर के उपलक्ष्य पर मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के सिविल लाइन्स स्थित राजकीय निवास पर शनिवार रात को 8.30 बजे से एक घंटे के लिए बिजली बंद रखी गई।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने कहा कि ऊर्जा के साधनों का विवेकपूर्ण उपयोग करने और पर्यावरण संरक्षण के लिए सभी को मिलकर प्रयास करने होंगे। इस दौरान मुख्यमंत्री निवास स्थित विभिन्न कार्यालयों में लाइट एवं उपकरण बंद रहे और कार्मिकों ने मोमबत्ती की रोशनी में कार्य किया।

भाजपा हरियाणा प्रभारी व भाजपा राजस्थान पूर्व प्रदेशाध्यक्ष डॉ. सतीश पूनिया ने शनिवार को राजभवन पहुंचकर राज्यपाल हरिभाऊ किसनराव बागड़े से शिष्टाचार भेंट की।

'कांग्रेस के शासन में सर्वोच्च न्यायालय ने सीबीआई को कहा था पिंजरे का तोता'

जयपुर। पूर्व नेता प्रतिपक्ष राजेन्द्र राठौड़ ने पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत पर जवाबी हमला करते हुए कहा कि लगता है पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत भूल गए हैं कि दिल्ली में जब कांग्रेस का शासन था तब सर्वोच्च न्यायालय ने सीबीआई को पिंजरे का तोता कहा था। राजस्थान में सीबीआई के बेजा इस्तेमाल का शिकार तो वे खुद भी हो

- **पूर्व नेता प्रतिपक्ष राजेन्द्र राठौड़ का पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत पर जवाबी हमला**

चुके हैं। उन्होंने कहा कि जिन्होंने देश में 56 साल तक एजेंसियों का बेजा इस्तेमाल किया, आज वे संवैधानिक संस्थानों पर सवाल खड़ा कर रहे हैं।

पूर्व नेता प्रतिपक्ष ने कहा कि एजेंसियां अपने कर्तव्यों के अनुसार काम करती हैं। उन्होंने कहा कि कांग्रेस के सामने जब उसके पुराने कुकर्म खड़े होकर बोलने लगते हैं। उस समय कांग्रेसी लोकतंत्र में मतपेटी से मिले जनादेश पर भी निशाना साधते हैं। राजेन्द्र राठौड़ ने अशोक गहलोत पर निशाना साधते हुए कहा कि देश व राजस्थान की जनता जब तक प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के साथ है, यह शासन चलता रहेगा। राजेन्द्र राठौड़ ने कहा कि पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत अब सिर्फ इंतजार ही करते रहें।

सार-समाचार

बाबर व राणा सांगा को कभी एक पलड़े में नहीं रखा जा सकता : शेखावत

जयपुर। केंद्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने समाजवादी पार्टी के राज्यसभा सांसद रामजीलाल सुमन के राणा सांगा को लेकर दिए विवादित बयान पर तीखी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि कुछ तुच्छ बुद्धि और छोटे हृदय के लोग इस तरह की चर्चाएं करते हैं। इन चर्चाओं के लिए कोई गुंजाइश नहीं है। शनिवार को यहां मीडिया से अनौपचारिक बातचीत में शेखावत ने कहा कि भारत के इतिहास की समीक्षा करने वाले, आज नहीं, अगले 1000 साल तक, जब कभी समीक्षा करेंगे, कभी बाबर और राणा सांगा की तुलना करके एक ही पलड़े में नहीं रख पाएंगे। उन्होंने कहा कि राणा सांगा ने स्वतंत्रता की अलख जगाई थी। उन्होंने भारत को गुलाम होने से तो बचाया ही था, साथ-साथ भारत की संस्कृति को सनातन बनाए रखने में बहुत बड़ा योगदान दिया था। शेखावत ने दो टूक कहा कि कुछ तुच्छ बुद्धि और छोटे हृदय के लोग इस तरह की चर्चाएं करते हैं। इन चर्चाओं के लिए कोई गुंजाइश भी नहीं है।

दो हजार करोड़ के जीएसटी प्रकरण में गिरफ्तारी वारंट को जमानती में बदला

जयपुर। राजस्थान हाईकोर्ट ने जीएसटी से संबंधित करीब दो हजार करोड़ रुपए के मामले में याचिकाकर्ता के खिलाफ जारी किए गए गिरफ्तारी वारंट को जमानती वारंट में बदल दिया है। इसके साथ ही अदालत ने याचिकाकर्ता को एक माह में अदालत में पेश होने के लिए कहा है। जस्टिस गणेश राम मीणा ने यह आदेश पीसी पुरोहित की याचिका पर दिए। मामले के अनुसार डायरेक्टरेट जनरल ऑफ जीएसटी इंटेलिजेंस को फर्जी फर्मों के नाम पर पैकेजिंग सामग्री की आपूर्ति करने और माल मिराज प्रोडक्ट्स प्राइवेट लिमिटेड, नाथद्वारा को पहुंचाए जाने की जानकारी मिली। अधिकारियों ने मिराज प्रोडक्ट्स और अन्य स्थानों पर छापेमारी की। इस मामले में अधीनस्थ अदालत ने याचिकाकर्ता के गैर जमानती वारंट जारी किया। जिसे याचिकाकर्ता ने हाईकोर्ट में चुनौती दी। याचिकाकर्ता की ओर से अधिवक्ता दीपक चौहान कहा कि मामले में सीधे गैर जमानती वारंट जारी करने का कोई औचित्य नहीं है। दूसरी ओर केन्द्र सरकार की ओर से कहा गया कि मामला करीब दो हजार करोड रुपए के कर से जुडा है। इसके अलावा याचिकाकर्ता जांच में सहयोग भी नहीं कर रहा है। दोनों पक्ष सुनने के बाद कोर्ट ने कहा कि यदि कोई जांच में सहयोग कर रहा हो और अदालत में पेश होने को तैयार हो, तो सीधे गैर-जमानती वारंट जारी करना उचित नहीं है। इसके साथ ही अदालत ने मामले में निचली अदालत का आदेश रद्द करते हुए गैर जमानती वारंट को जमानती वारंट में बदल दिया है।

लापता नाबालिगों की बरामदगी को लेकर पुलिस अधीक्षक तलब

जयपुर। राजस्थान हाईकोर्ट ने लापता नाबालिग बालिकाओं की बरामदगी नहीं कर पाने के दो अलग-अलग मामलों में बारां और झुंझुनूं पुलिस अधीक्षकों को तलब किया है। अदालत ने बारां एसपी को सात अप्रैल और झुंझुनूं एसपी को 8 अप्रैल को तलब किया है। अदालत ने दोनों अधिकारियों से पूछा है कि लापताओं की तलाश के लिए अब तक क्या कार्रवाई की गई। जस्टिस नरेन्द्र सिंह और जस्टिस भुवन गोयल की खंडपीठ ने यह आदेश जगदीश प्रसाद व इन्द्रा सिंह की बंदी प्रत्यक्षीकरण याचिकाओं पर यह अंतरिम आदेश दिए। याचिका में अधिवक्ता एमके सिंह ने कहा कि उसकी 17 साल की बालिका बारां जिले के हमावड़ा शाहजी थाना क्षेत्र से लापता हुई है। पुलिस में रिपोर्ट दर्ज कराने के बावजूद भी अब तक लापता को बरामद नहीं किया गया है। ऐसे में पुलिस को निर्देश दिए जाए कि वह नाबालिग बालिका को बरामद करे। इसी तरह दूसरी याचिका में झुंझुनूं जिले के गुढ़ा गौडज़ी थाना क्षेत्र से लापता हुई 16 वर्षीय बालिका को तलाशने का निर्देश देने का आग्रह किया। सुनवाई के दौरान खंडपीठ ने दोनों थानाधिकारियों को तलब किया। अदालत ने पुलिस की ओर से पेश तथ्यात्मक रिपोर्ट को देखकर अपना असंतोष जाहिर किया। इसके साथ ही अदालत ने दोनों जिलों के पुलिस अधीक्षकों को पेश होकर बरामदगी के प्रयासों की जानकारी देने को कहा है।

कांग्रेस में बहेगी गंगा-जमुनी तहजीब की रसधार

जयपुर। प्रदेश कांग्रेस की ओर से होली स्नेह मिलन करने के बाद जयपुर की कांग्रेस में अब आपको गंगा-जमुनी धार बहती दिखाई देगी। त्यौहारों के मौसम में इस तहजीब को आगे बढ़ाते हुए जयपुर शहर जिला कांग्रेस की ओर से पहले होली स्नेह मिलन और फिर रोजा इफ्तार कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। अध्यक्ष जयपुर शहर जिला कांग्रेस के अध्यक्ष बनने के बाद कांग्रेस कार्यालय में अन्नकूट और पौषबड़ों के आयोजन करने वाले आरआर तिवाड़ी अब 26 मार्च को होली मिलन का कार्यक्रम और उसके बाद 28 मार्च को रोजा इफ्तार कार्यक्रम आयोजित करेंगे। इसके लिए पार्टी के पदाधिकारी और कार्यकर्ताओं को जिम्मेदारी दे दी गई है। 26 मार्च को जयपुर शहर जिला कांग्रेस कमेटी कार्यालय, हवामहल के सामने होली स्नेह मिलन कार्यक्रम आयोजित होगा, जिसमें कार्यकर्ता, जिला कांग्रेस कमेटी के पदाधिकारी, विधायक, पूर्व विधायक, पूर्व मंत्री कार्यकर्ताओं के साथ फूलों की होली खेलेंगे। 28 मार्च को रमजान माह के आखिरी जुमे (अलविदा) के दिन जिला कांग्रेस की ओर से प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय के बाहर रोजा इफ्तार कार्यक्रम का भी आयोजन किया जाएगा, जिसमें पार्टी के कार्यकर्ता नेता और आमजन शामिल होंगे।

सुदेश भोसले ने बहाई भक्ति रस की गंगा

जयपुर। बॉलीवुड प्लेबैक सिंगर सुदेश भोसले ने नवकार मंत्र, हे राम हे राम.., अच्युतम केशवम राम नारायणम... सहित जब अपनी सुमधुर वाणी से भजनों को सुनाना शुरू किया तो सभी भक्त और श्रोतागण भक्ति रस में झूमने को मजबूर हो गए।

मौका था अपेक्स ग्रुप व संजय शिक्षा समिति के संस्थापक स्वर्गीय डॉ. सागरमल जूनीवाल की सातवीं पुण्यतिथि पर अपेक्स यूनिवर्सिटी की ओर से मानसरोवर स्थित अपेक्स कैम्पस में आयोजित भजन संध्या "एक स्मृति" का।

तयशुदा कार्यक्रम में शामिल होने आये मशहूर बॉलीवुड प्लेबैक सिंगर सुदेश भोसले ने अपनी स्वर लहरी से हर किसी को मंत्रमुग्ध कर दिया। उन्होंने दुनिया से जाने वाले... को सुनाकर श्रद्धांजलि देते हुए भक्ति संगीत की सरिता बहायी।

गजेन्द्र सिंह शेखावत ने डॉ. सुषमा महाजन के चित्रों की प्रदर्शनी का उद्घाटन किया

जयपुर। कला ईश्वर की साधना करने और उसे प्राप्त करने का एक माध्यम है। यह कलाकार के भीतर से स्वत: ही प्रकट होता है।

डॉ. सुषमा महाजन के चित्रों में यह

- **'ऐसी परिपूर्ण चित्रकारी कलाकार द्वारा केवल ब्रश और रंगों से खेलना नहीं, बल्कि स्वयं को जीने जैसा है'**

भाव स्पष्ट रूप से जाहिर होता है। केंद्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत ने शनिवार को हीलिंग स्ट्रोक्स चित्र प्रदर्शनी के उद्घाटन के अवसर पर यह बात कही।

शेखावत ने जयपुर शहर की वरिष्ठ चिकित्सक एवं चित्रकार डॉ. महाजन द्वारा बनाए चित्रों की ताज आमेर होटल में प्रदर्शनी के अवलोकन के दौरान कहा कि ऐसी परिपूर्ण चित्रकारी कलाकार द्वारा केवल ब्रश और रंगों से खेलना नहीं, बल्कि स्वयं को जीने जैसा है।

केंद्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत ने शनिवार को डॉ. सुषमा महाजन की प्रदर्शनी का उद्घाटन किया।

उन्होंने बताया कि डॉ. महाजन ने कोविड महामारी के दौर में आपाधापी के बीच जीवन का अर्थ पाने के लिए चित्र बनाना शुरू किया। उन्होंने अपने चित्रों के ज़रिए न केवल स्वयं का, अपितु दर्शकों का भी जीने का नजरिया बदलने की असाधारण उपलब्धि हासिल की है। चिकित्सा पेशे (मेडिकेशन) से चित्रकारी के जरिए अपने आप को समझने (मेडिटेशन) तक की यह यात्रा असाधारण रूप से सफल है।

शेखावत के अनुसार, डॉ. महाजन ने जो कला संसार रचा है, वह दर्शक के मन को तृप्त करने वाला है। इनका एक एक चित्र आकर्षक है, जो उनके अंतर्मन से प्राकृतिक रूप से उभरा है। ईश्वर की कृपा से ही एक कलाकार के भाव बाहर आते हैं और एक कृति बनती है।

चित्रकार डॉ. महाजन ने अपनी कला यात्रा के बारे में बताया कि मानव जीवन के लिए मुश्किल दौर में अपने अंतर्मन की शांति के लिए मैने चित्र बनाना शुरू किया।

उन्होंने कहा कि कला व्यक्ति को सुकून देती है। मेरा अनुभव है कि सीखने की कोई उम्र नहीं होती। जीवन में आनंद की प्राप्ति के लिए सभी को अपनी प्रतिभा अभिव्यक्त करना चाहिए। इससे आप दूसरे को भी सुकून दे पाएंगे।

ताज आमेर के जनरल मैनेजर देवराज सिंह ने कला प्रदर्शनी का संदर्भ प्रस्तुत करते हुए कहा कि डॉ. महाजन की कला की खासियत यह है कि इनकी कोई विशिष्ट शैली नहीं है। वह अपने आप में कई शैलियों का संग्रह हैं।

दहशत फैलाने वाले बदमाश गिरफ्तार

महेश नगर में जन्मदिन मनाने के दौरान गाड़ियों में तोड़फोड़ और मारपीट कर दहशत फैलाने वाले दो बदमाशों को पुलिस ने गिरफ्तार किया है।

जयपुर। महेश नगर में जन्मदिन मनाने के दौरान गाड़ियों में तोड़फोड़ और मारपीट कर दहशत फैलाने वाले बदमाशों को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। गिरफ्तारी के बाद दो बदमाशों की घटनास्थल के पास परेड निकाली गई। पुलिस मामले में पहले भी कुछ बदमाशों को गिरफ्तार कर चुकी है।

पुलिस उपायुक्त जयपुर दक्षिण दिगंत आनन्द ने बताया कि महेश नगर ने कार्रवाई करते हुए जन्मदिन मनाने के दौरान गाड़ियों में तोड़फोड़ और मारपीट कर दहशत फैलाने वालेरवि कुमार शर्मा उर्फ रवि पंडित (25) निवासी मानसरोवर जयपुर और मुकेश चौधरी उर्फ मुकेश सामौता (31) निवासी हीरापुरा करणी विहार जयपुर को गिरफ्तार किया है।

विश्व जल दिवस पर राज्य स्तरीय कार्यक्रम

जयपुर। ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज विभाग राज्य मंत्री ओटाराम देवासी की अध्यक्षता में आज पंत कृषि भवन, जयपुर में विश्व जल दिवस पर राज्य स्तरीय कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

इस अवसर पर ओटाराम देवासी ने कहा, "जल ही जीवन है, और हमें इसे संरक्षित करने के लिए सामूहिक प्रयास करने होंगे। राज्य सरकार जल संरक्षण के लिए निरंतर प्रयासरत है, और जनता की भागीदारी से इस अभियान को और अधिक मजबूत किया जाएगा।"

जल संरक्षण के महत्व पर वक्ताओं ने अपने विचार व्यक्त किए। इसके पश्चात वर्षा जल संचयन और जल प्रबंधन की आधुनिक तकनीकों पर एक डॉक्यूमेंट्री प्रदर्शन हुआ, साथ ही द्वारा एक प्रस्तुति प्रदर्शित की गई, जिसमें पानी से संबंधित विभिन्न पहलुओं पर चर्चा की गई। सभी प्रतिभागियों ने जल बचाने और इसके

ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज विभाग राज्य मंत्री ओटाराम देवासी की अध्यक्षता में शनिवार को पंत कृषि भवन विश्व जल दिवस पर राज्य स्तरीय कार्यक्रम का आयोजन किया।

विवेकपूर्ण उपयोग की शपथ ली।

कार्यक्रम के दौरान आई.टी.सी. संस्थान के साथ जल संरक्षण और सतत विकास के लिए एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए। साथ ही, मिशन ज्ञान के साथ जल संरक्षण और जागरूकता अभियान को लेकर एक अन्य संपन्न हुआ। कार्यक्रम की शुरुआत प्रतिभागियों के पंजीकरण से हुई। इसके बाद राज्य मंत्री, पंचायती राज, ओटाराम देवासी एवं शासन सचिव, पंचायती राज, डॉ जोगाराम का स्वागत जलग्रहण विकास एवं भू संरक्षण विभाग, निदेशक एवं संयुक्त सचिव, मुहम्मद जुनैद द्वारा किया गया।

777 गैंग के सरगना सहित चार बदमाश गिरफ्तार

1 पिस्टल, 1 देशी कट्टा, 7 जिंदा कारतूस और 2 धारदार कटार बरामद

जयपुर। जयपुर में बढ़ती गैंगवार और आपराधिक गतिविधियों पर लगाम कसते हुए पुलिस थाना संजय सर्किल और जिला विशेष टीम (डीएसटी) जयपुर उत्तर ने ऑपरेशन

- **1 पिस्टल, 1 देशी कट्टा, 7 जिंदा कारतूस और 2 धारदार कटार बरामद**
- **हत्या की साजिश के दौरान दबोचे गए गैंगस्टर**

आग के तहत बड़ी कार्रवाई को अंजाम दिया। पुलिस ने 777 गैंग के सरगना सहित 4 बदमाशों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से 1 पिस्टल, 1 देशी कट्टा, 7 जिंदा कारतूस और 2 धारदार कटार बरामद किए हैं।

पुलिस थाना संजय सर्किल और जिला विशेष टीम जयपुर उत्तर ने ऑपरेशन आग के तहत बड़ी कार्रवाई को अंजाम देते हुए 777 गैंग के सरगना सहित 4 बदमाशों को गिरफ्तार किया।

पुलिस उपायुक्त राशि डूडी डोगरा ने बताया कि पुलिस कमिश्नरेट की ओर से चलाए जा रहे ऑपरेशन एक्शन अगेंस्ट गन (आग) के तहत पुलिस थाना संजय सर्किल और (डीएसटी) जयपुर उत्तर ने कार्रवाई करते हुए आरोपी वसीम अहमद उर्फ मोटा (36) शास्त्री नगर, मोहम्मद शाहरुख उर्फ चम्मच (32) शास्त्री नगर, मोहम्मद शाहरुख मर्लंग (27) सांगानेर एवं फिरोज खान उर्फ सद्दाम (35) दौसा को गिरफ्तार किया है।

जयपुर में पिछले 6-7 महीनों से मुजम्मिल गैंग और वसीम मोटा गैंग के बीच वर्चस्व को लेकर संघर्ष चल रहा था। दोनों गुट व्यापारियों, क्लब मालिकों और सटोरियों से रंगदारी वसूलने के लिए आपसी टकराव में थे। इस दौरान एक-दूसरे की गाड़ियों को जलाने, हमले करने और इलाके में दहशत फैलाने की कई वारदातें हो चुकी थीं।

उन्होंने बताया कि पुलिस को सूचना मिली थी कि वसीम मोटा गैंग के कुछ सदस्य हथियारों के साथ विरोधी गुट के लोगों की हत्या की योजना बना रहे हैं।

इस सूचना पर पुलिस ने छापेमारी कर वसीम मोटा, मोहम्मद शाहरुख उर्फ चम्मच, मोहम्मद शाहरुख मर्लंग और फिरोज खान उर्फ सद्दाम को गिरफ्तार कर लिया।। गिरफ्तार अपराधियों से पूछताछ में खुलासा हुआ कि उन्होंने 777 नाम से गैंग बना रखी थी, जिसमें सिर्फ इंस्टाग्राम के माध्यम से संपर्क किया जाता था। इस गैंग के करीब 18-20 सदस्य हैं, जो शहर में अलग-अलग जगहों पर रहते हैं और फायरिंग, जबरन वसूली, गैंगवार और दहशत फैलाने जैसी वारदातों को अंजाम देते थे। पुलिस के अनुसार, दोनों गुटों के कई सदस्य पहले भी गिरफ्तार किए जा चुके हैं, लेकिन ये गैंग दोबारा संगठित होकर अपराध करने लगे थे। पुलिस अब गिरफ्तार अपराधियों से पूछताछ कर उनके अन्य साथियों की तलाश कर रही है।

पुलिस उपायुक्त राशि डूडी डोगरा ने स्पष्ट किया कि जयपुर में गैंगस्टर गतिविधियों को किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। अपराधियों पर लगातार सख्त कार्रवाई जारी रहेगी और जयपुर शहर को अपराध मुक्त बनाने के लिए पुलिस पूरी मुस्तैदी से काम कर रही है।